हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

गुरुवार, 09 फरवरी 2017, बरेली, पांच प्रदेश, 20 संस्करण, नगर

www.livehindustan.com

एसआरएमएस के 16वें दीक्षांत समारोह में 349 छात्र-छात्राओं को मिली डिग्री, 26 मेधावियों को गोल्ड मेडल दिए गए

चुनौतियां स्वीकारने वालों को मिलेगी सफलता

सम्मान

बरेली | प्रमुख संवाददाता

एसआरएमएस के 16वें दीक्षांत समारोह में बुधवार को मुख्य अतिथियों ने छात्र-छात्राओं को डिग्री और मेडल देकर सम्मानित किया।

कॉलेज में दीक्षांत समारोह के बाद सेल्फी लेती छात्राएं। • हिन्दुस्तान

एसआरएमएस के 16वें दीक्षांत समारोह में सीमेंस गुड़गांव (हरियाणा) के वाइस प्रेसिडेंट हर्ष मेहरोत्रा ने कहा कि डिग्री हाथ में आने के बाद विद्यार्थियों को नए अवसरों के साथ नई चुनौतियों का सामना करना होगा। जो नई चुनौतियों को स्वीकार करेगा, अवसर उसका ही दरवाजा खटखटाएगा। आज की दुनिया तेजी से डिजिटल इको सिस्टम की ओर बढ़ रही है।

मुख्य अतिथि हर्ष मेहरोत्रा ने अपने दीक्षांत भाषण में कहा कि डिग्री मिल चुकी है और हर युवा अपने करियर की चरम ऊंचाइयों तक जाना चाहता है। इस ऊंचाई को हासिल करने के लिए युवाओं को अपने ज्ञान और कौशल को समय के साथ बेहतर बनाते रहना होगा। यह बदलाव ही देश को विकासशील से विकसित देश बनाने में मददगार होगा।

इससे पहले मुख्य अतिथि सीमेंस के वाइस प्रेसिडेंट हर्ष मेहरोत्रा, एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक, ट्रस्ट सचिव आदित्य मूर्ति और एसआरएमएस के चेयरमैन देवमूर्ति ने दीक्षांत समारोह का शुभारंभ किया। श्रीराममूर्ति के 107वें जन्मदिन पर हुए समारोह में एसआरएमएस सीईटी बरेली और उन्नाव ब्रांच के 2015-16 में पास होने वाले बीटेक, बीफार्मा, एमबीए, एमसीए, एमटेक एवं एमफार्मा के 349 मेधावियों को डिग्री प्रदान की गई। साथ ही 26 छात्रों को गोल्ड मेडल दिए गए।

एकेटीयू के कुलपति ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि युवा ज्ञान और सूचना के मामले आगे और धैर्य में काफी पीछे चले गए हैं। युवाओं को सब कुछ जल्दबाजी में चाहिए। उनमें धैर्य की कमी होना काफी खतरनाक संकेत है। युवा दूसरों को सुनना नहीं चाह रहे हैं। इस प्रवृत्ति को बदलने की जरूरत है। दूसरों को स्पेस देना शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण काम है और युवा इसमें काफी पीछे हैं।

चेयरमैन देवमूर्ति ने कहा कि सफल होने के लिए जीवन में धैर्य रखना जरूरी है। सफलता का कोई शार्टकट नहीं होता है। आज के वक्त कोई भी काम छोटा हो या बड़ा, बिना टीम वर्क के पूरा नहीं हो सकता है। सफलता उन्हीं को मिलती है, जिनमें ईमानदारी से कार्य करने की लगन और जोखिम उठाने का जज्बा होता है।

ये रहे मौजूद : ऋचा मूर्ति, बरेली कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सोमेश यादव, डॉ. डीके गुप्ता, डॉ. अजय शर्मा, पीके अग्रवाल, उद्यमी डॉ. सुरेश सुंदरानी और डीन प्रभाकर गुप्ता सहित काफी लोग मौजूद थे। संचालन डॉ. अंकिता ने किया।

कुलपति ने दिए सफलता के मंत्र

बरेली | प्रमुख संवाददाता

एकेटीयू के कुलपति ने विद्यार्थियों को संस्कृत के श्लोक से सफलता के मंत्र दिए। दीक्षा संस्कार में तैत्तिरीयोपनिषद शिक्षावली 11वें अनुवादक में गुरु द्वारा शिष्य की समावर्तन संस्कार पर लिखे भावार्थ समझाते हुए उन्होंने कहा कि सत्य से न डिगो, धर्म से न डिगो, श्रेष्ठता को न भूलो, स्वास्थ्य को न भूलो, एश्वर्य को न भूलो और हरदम स्वाध्याय व प्रवचन पर ध्यान दो। उन्होंने डिग्रीधारियों छात्र-छात्राओं को समाज की उन्नति एवं सेवा करने के लिए प्रेरित किया।

बीटेक में ओवरऑल टॉपर बनीं दीपिका सक्सेना

बरेली। बीटेक में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा दीपिका सक्सेना को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल और 51 हजार का पुरस्कार दिया गया। दूसरे स्थान पर रहे हिमांशु खत्री को मेडल, 41 हजार और तीसरे पर रहे शिवेंद्र प्रताप सिंह को ब्रॉन्ज मेडल, 31 हजार पुरस्कार मिला।

बीटेक में ऑल राउंडर छात्र हिमांशु खत्री को प्रेमप्रकाश गुप्ता चैरिटेबल फाउंडेशन गोल्ड मेडल प्रदान किया गया। बीटेक सीएस में टॉपर दीपिका सक्सेना को गोल्ड और शिवेंद्र प्रताप को डॉ. कृपा मेहरा गोल्ड मेडल मिला। बीटेक ईई ब्रांच के टॉपर सचिन चौहान को पीएन गुप्ता गोल्ड मेडल, बीटेक आईटी की टॉपर सृष्टि को लक्ष्मी भूषण गोल्ड, बीटेक एमई ब्रांच के टॉपर सुमित शर्मा और बीटेक ईसी में खेल में बेहतर प्रदर्शन के लिए रितु को विशेष पुरस्कार दिया गया।

बीफार्मा टॉपर अपर्णा को गोल्ड मिला। बैच में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए छात्र अर्पित को गोल्ड मिला। एमसीए टॉपर प्रीति को गोल्ड मेडल दिए गए। एमबीए टॉपर वर्षा को राममूर्ति गोल्ड मेडल मिला। एमबीए में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के लिए अनुभा खंडेलवाल को गोल्ड मेडल मिला। बीटेक टॉपर खुशबू गुप्ता को गोल्ड मिला। बीटेक में ऑल राउंडर सूर्या वर्मा को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल मिला। श्रीराममूर्ति स्मारक कालेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, लखनऊ के बीटेक में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र प्रयांशु अग्रवाल को श्रीराममूर्ति गोल्ड मेडल मिला। बीटेक में ऑल राउंडर प्रयांशु अग्रवाल को भी गोल्ड मिला।